INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

LATEST EDITION

RAS

RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION

मुख्य परीक्षा हेतु

HANDWRITTEN NOTES

[भाग -9]

सामान्य हिंदी + अंग्रेजी

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAS

RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION

मुख्य परीक्षा हेतु

भाग – 9

सामान्य हिंदी + अंग्रेजी

प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**RAS (Rajasthan Administrative Service) (प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु)"** को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**Rajasthan State and Subordinate Services Combined Competitive Exams"** भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें* **/**

अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/

प्रकाशकः

INFUSION NOTES

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

Whatsapp Link- https://wa.link/uwc5lp

Online Order Link- https://bit.ly/3X6MGue

मूल्य : ₹

संस्करण : नवीनतम (2023)

	हिन्दी	
क्र.सं.	अध्याय	पेज नं.
1.	संधि एवं संधि विच्छेद • दिए हुए शब्दों की संधि करना • संधि -विच्छेद करना	1
2.	उपसर्ग • उपसर्गों से शब्दों की संरचना तथा शब्दों में से उपसर्ग एवं मूल शब्द पृथक करना	9
3.	प्रत्यय • दिए हुए प्रत्ययों से शब्द बनाना • शब्दों में से मूल शब्द एवं प्रत्यय पृथक करना	12
4.	पर्यायवाची शब्द	18
5.	विलोम शब्द	23
6.	समश्रुत भिन्नार्थक शब्द • दिए हुए शब्द -युग्म का अर्थ - भेद	34
7.	वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द	50
8.	शब्द शुद्धि	61
9.	वाक्य शुद्धि	68
10.	मुहावरे - • मुहावरों का वाक्य में प्रयोग से अर्थ स्पष्ट	76
11.	कहावत / लोकोक्ति • वाक्य में प्रयोग से अर्थ स्पष्ट	84
12.	पारिभाषिक शब्दावली	91

	• प्रशासन से संबंधित अंग्रेजी शब्दों के समानार्थ हिन्दी पारिभाषिक शब्द	
13.	संक्षिप्तीकरण	107
14.	पल्लवन • किसी सूक्ति , काव्य पंक्ति, प्रसिद्ध कथन आदि का भाव विस्तार	110
15.	पत्र – लेखन एवं प्रारूप – लेखन • सामान्य कार्यालयी पत्र, कार्यालय आदेश, अर्द्धशासकीय पत्र, अनुस्मारक • अधिसूचना, निविदा, परिपत्र, विज्ञप्ति	114
16.	अनुवाद • दिए हुए अंग्रेजी अनुच्छेद का हिन्दी में अनुवाद	133
17.	निबंध लेखन	134
	<u>English</u>	
1.	Articles & Determiners	142
2.	Prepositions	157
3.	Tenses & Sequence of Tenses	183
4.	Modals	202

5.	Voice - Active & passive	209
6.	Narration – Direct & Indirect	217
7.	Synonyms & Antonyms	224
8.	Phrasal Verbs & Idioms	239
9.	One Word Substitute	245
10.	Word often Confused or Misused	254
11.	Comprehension of an Unseen Passage	257
12.	Translation	271
13.	Precis Writing	280
14.	Paragraph Writing	285
15.	Elaboration of a given theme	291
16.	Letter Writing or Report Writing Important Questions For Mains Exam	295

हिन्दी

अध्याय – I

संधि एवं संधि विच्छेद

- **संधि का अर्थ होता है** - मेल और विलोम - विग्रह।
- आपसी निकटता के कारण दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार (परिवर्तन) को संधि कहते हैं।

जैसे - हिम + आलय = हिमालय

जगत् + नाथ = जगन्नाथ

निः + धन = निर्धन

संधि विच्छेद- संधि नियमों द्वारा बने शब्दों को तोड़कर पुनः मूल रूप में लाना संधि विच्छेद कहलाता है।

उदाहरण- विद्यार्थी – विद्या+अर्थी

देवागमन- देव+आगमन

संधि के भेद

संधि के प्रथम वर्ण के आधार पर संधि को तीन भागों में बांटा गया है।

संधि का पहला वर्ण यदि स्वर वर्ण (मत+अनुसार=मतानुसार) हो तो स्वर संधि, पहला वर्ण व्यंजन वर्ण (सत्+जन=सज्जन) हो तो व्यंजन संधि और पहला वर्ण यदि विसर्गयुक्त (मनः+योग=मनोयोग) हो तो विसर्ग संधि होती है।

1. स्वर संधि
2. व्यन्जन संधि
3. विसर्ग संधि

I. स्वर संधि

परस्पर स्वर का स्वर के साथ मेल होने पर जो विकार उत्पन्न होता है, उसे स्वर संधि कहते हैं।

जैसे - देव + आलय = देवालय

रमा + ईश = रमेश

एक + एक = एकैक

यदि + अपि = यद्यपि

भौ + उक = भावुक

स्वर संधि के भेद –

i. दीर्घ संधि
ii. गुण संधि
iii. वृद्धि संधि
iv. यण संधि
v. अयादि संधि

i. दीर्घ संधि –

नियम - यदि ह्रस्व या दीर्घ स्वर [अ इ उ] के बाद समान ह्रस्व [अ इ उ] या दीर्घ स्वर आए तो दोनों मिलकर दीर्घ हो जाते है।

जैसे- युग् + अन्तर - युगान्तर

युग् अ + अन्तर

युग् आन्तर

युगान्तर

युग् आन्तर

युग् अ + अन्तर

युग + अन्तर

जैसे - हिम + आलय = हिमालय

हिम् आ लय

हिम् अ + आलय

हिम + आलय

जैसे - राम + अवतार = रामावतार

तथा + अपि = तथापि

मुनि + इन्द्र = मुनीन्द्र (मुनियों में श्रेष्ठ है जो - विश्वामित्र)

कपि + ईश = कपीश (हनुमान, सुग्रीव)

लघु + उत्तम = लघूत्तम

लघु + ऊर्मि = लघूर्मि (छोटी लहर)

भू + ऊर्ध्व = भूर्ध्व

सु + उक्ति = सूक्ति

कटु + उक्ति = कटूक्ति

चमू + उत्थान = चमूत्थान (चमू = सेना)

गुरु + उपदेश = गुरुपदेश

वधू + उत्सव = वधूत्सव (वधू - जिसकी शादी की तैयारियां चल रही हो)

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी

विद्या + आलय = विद्यालय

पंच + अमृत = पंचामृत

स्व + अधीन = स्वाधीन

दैत्य + अरि = दैत्यारि (देवता इन्द्र विष्णु) (अरि- शत्रु या विरोधी)

मुर +अरी= मुरारी (मुर= राक्षस)

सत्य + अर्थी = सत्यार्थी

प्रेरणा + आस्पद = प्रेरणास्पद

प्र + आंगन = प्रांगण

शश + अंक = शशांक (चन्द्रमा) [शश = खरगोश, अंक: गोद]

महती + इच्छा = महतीच्छा

फणी + ईश = फणीश (शेषनाग)

रजनी + ईश = रजनीश (चन्द्रमा)

अ+अ= आ / अ+आ= आ

धर्म + अर्थ = धर्मार्थ

वीर+अंगना =वीरांगना

देव+आलय= देवालय

नव+आगत= नवागत

आ+अ= आ / आ+आ= आ

विद्या+अर्थी= विद्यार्थी

सीमा+अंत= सीमांत

महा+आनंद= महानंद

विद्या+आलय= विद्यालय

इ+इ= ई / इ+ई=ई

रवि+इन्द्र= रवींद्र

अति+इव= अतीव

हरि+ईश= हरीश

परि+ईक्षा= परीक्षा

ई+इ= ई / ई+ई=ई

योगी+इंद्र= योगीन्द्र

मही+इंद्र= महींद्र

नदी+ईश= नदीश

सती+ईश= सतीश

उ+उ=ऊ / उ+ऊ= ऊ

सु+उक्ति= सूक्ति

लघु+उत्तम= लघूत्तम

लघु+ऊर्मि= लघूर्मि

धातु+ऊष्मा= धातूष्मा

ऊ+उ= ऊ / ऊ+ऊ= ऊ

भू+उत्सर्ग= भूत्सर्ग

वधू+उपकार= वधूपकार

वधू+ऊर्मी= वधूर्मी

दीर्घ संधि की पहचान –

दीर्घ संधि युक्त शब्दों में अधिकांशत: आ, ई, ऊ की मात्राएँ आती है और इनका विच्छेद इन्हीं मात्राओं से किया जाता है।

शक + अन्धु = शकन्धु
कर्क + अन्धु = कर्कन्धु
पितृ + ऋण = पितृण
मातृ + ऋण = मातृण
} अपवाद

विश्व + मित्र = विश्वामित्र
मूसल + धार = मूसलाधार
मनस् + ईषा = मनीषा
युवत् + अवस्था = युवावस्था
} अपवाद

(ii) गुण संधि -

नियम (I) - यदि अ/आ के बाद इ/ई आए तो दोनों के स्थान पर 'ए' हो जाता है अर्थात्

अ/आ + इ/ई = ए = ऐ

नियम (2) - यदि अ/आ के बाद उ/ऊ आए तो दोनों के स्थान पर 'ओ' हो जाता है अर्थात्

अ/आ + उ /ऊ = ओ = औ

नियम (3) – यदि अ/आ के बाद ऋ आये तो दोनों के स्थान पर 'अर्' हो जाता हैं हो जाता हैं | अर्थत

अ/आ + ऋ = अर्

ए ओ + अर् = गुण

अ	इ	उ	ऋ
+	+	+	+
अ	इ	उ	ऋ
=	=	=	=
आ	ई	ऊ	x - दीर्घ

जैसे - गज + इन्द्र = गजेन्द्र

गज् + अ + इन्द्र

गज् एन्द्र

गजेन्द्र

गज् ए न्द्र

गज् अ + इन्द्र

गज + इन्द्र

जैसे - मृग + इन्द्र = मृगेन्द्र (शेर)

रमा + ईश = रमेश

(लक्ष्मी का पति हैं जो = विष्णु)

सुर + ईश = सरेश

(देवताओं का स्वामी = इन्द्र)

नर + ईश = नरेश (राजा)

पर + उपकार = परोपकार

यथा + उचित = यथोचित (जितना उचित हो)

यथा + इच्छा = यथेच्छा (इच्छानुसार)

पुरुष + उत्तम = पुरुषोत्तम (मनु)

नर + उत्तम = नरोत्तम

कथा + उपकथन = कथोपकथक

गंगा + ऊर्मि = गंगोर्मि

महा + उदय = महोदय

सह + उदर = सहोदर (सगा भाई)

नव + ऊढ़ा = नवोढ़ा (नवविवाहिता)

ऊढ़ा - युवती

राका + ईश = राकेश

(रात का स्वामी = चन्द्रमा)

गुड़ाका + ईश = गुड़ाकेश

(नींद का स्वामी = शिव, अर्जुन)

हृषीक + ईश = हृषीकेश

(इन्द्रियों का स्वामी = विष्णु)

उमा + ईश = उमेश (शिव)

धन + ईश = धनेश (कुबेर)

हृदय + ईश = हृदयेश (कामदेव)

देव + ईश = देवेश (इन्द्र)

महा + इन्द्र = महेन्द्र (शिव)

अपवाद = प्र+ ऊढ = प्रौढ़

अक्ष+ऊहिनी = अक्षौहिणी (विशाल सेना)

ऋ. र् ष् - न्

↓

ण्

जैसे - राम + अयन = रामायण

प्र + मान = प्रमाण

शूर्प + नखा = शूर्पणखा

लक्ष् + मन = लक्ष्मण

जैसे- देव + ऋषि = देवर्षि

देव् + अ + ऋषि

देव् अर् षि

↘ देवर्षि

सप्त + ऋषि = सप्तर्षि

कण्व + ऋषि = कण्वर्षि

(3) विसर्ग संधि –

विसर्ग के बाद स्वर या व्यंजन आने पर उनके मेल से जो विकार उत्पन्न होता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं।

जैसे - निः + आहार = निरासार

मनः + हर = मनोहर

नियम (1)- यदि विसर्ग से पहले अ को छोड़कर अन्य कोई स्वर आए तथा विसर्ग के बाद किसी भी वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवा वर्ण, अन्तस्थ वर्ण या कोई स्वर आए तो विसर्ग का र् हो जाता है।

जैसे - निः + गुण = निर्गुण

निः + आहार = निराहार

निः + आशा = निराशा

निः + अर्थक = निरर्थक

निः + अपराध = निरपराध

निः + मल = निर्मल

निः + धन = निर्धन

निः + बल = निर्बल

यजुः + वेद = यजुर्वेद

दुः + अवस्था = दुरवस्था

दुः + उपयोग = दुरुपयोग

दुः + आशा = दुराशा

दुः + घटना = दुर्घटना

दुः + गति = दुर्गति

दुः + बल = दुर्बल

दुः + जन = दुर्जन

आयुः + वेद = आयुर्वेद

पुन : + जन्म = पुनर्जन्म → अपवाद

नियम (2)- यदि विसर्ग से पहले अ हो तथा विसर्ग के बाद किसी भी वर्ग का तीसरा, चौथा , पाँचवा वर्ण , अन्तः स्थ वर्ण या ऊष्म वर्ण आए तो अ और विसर्ग दोनों का ओ हो जाता है।

जैसे - ननः ज = मन् अः +ज = मनोज

(कामदेव)

सरः + ज = सरोज (कमल)

सरः + वर = सरोवर

पयः + द = पयोद (बादल)

यशः + दा = यशोदा

यशः + गान = यशोगान

यशः + गाथा = यशोगाथा

यशः + वर्धन = यशोवर्धन

मनः + विज्ञान = मनोविज्ञान

मनः + हर = मनोहर (कृष्ण)

मनः + रथ = मनोरथ (इच्छा, चाह)

मनः + बल = मनोबल

मनः + विकार = मनोविकार

तमः + गुण = तमोगुण

वयः + वृद्ध = वयोवृद्ध

नियम (3)- यदि विसर्ग के बाद च्, छ आए तो विसर्ग के स्थान पर श् , यदि ट्, ठ आए तो विसर्ग के स्थान पर ष और यदि त् , थ् आए तो विसर्ग के स्थान पर स हो जाता है।

जैसे - निः + चल = निश्चल

नमः + ते = नमस्ते

धनु + टंकार = धनुटंकार

मरुः + थल = मरुस्थल

हरिः + चन्द्र = हरिश्चन्द्र

निः + तेज = निस्तेज

निः + छल = निश्छल

नियम (4)- यदि विसर्ग के बाद र् वर्ण आए तो विसर्ग से पहले लघु मात्रा को दीर्घ मात्रा में बदल देते हैं तथा विसर्ग का लोप हो जाता है।

निः + रस = नीरस

निः + रोग = नीरोग

निः + रव = नीरव (शान्त , एकान्त ,सूनापन ,जनरहित स्थान)

दुः + राज = दूराज

279. संवार	-	आच्छादन
संवार	-	सजाना
280. संकरी	-	दोगली
संकरी	-	पतली
281. शाला	-	घर
साला	-	पत्नी का भाई
282. शहर	-	नगर
सहर	-	सवेरा
283. शबल	-	चितकबर
सबल	-	ताकतवर
284. शप्ति	-	शाप सप्ति घोड़ा
285. शप्त	-	शाप पाया हुआ
सप्त	-	सात
286. सिर	-	मस्तक
सीर	-	हल
287. सुधि	-	स्मरण
सुधी	-	विद्वान

अध्याय – 7

वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द

अच्छी रचना के लिए आवश्यक है कि कम से कम शब्दों में विचार प्रकट किए जाए। और भाषा में यह सुविधा भी होनी चाहिए कि वक्ता या लेखक कम से कम शब्दों में अर्थात् संक्षेप में बोलकर या लिखकर विचार अभिव्यक्त कर सके। कम से कम शब्दों में अधिकाधिक अर्थ को प्रकट करने के लिए 'वाक्यांश या शब्द-समूह के लिए एक शब्द' का विस्तृत ज्ञान होना आवश्यक है। ऐसे शब्दों के प्रयोग से वाक्य-रचना में संक्षिप्तता, सुन्दरता तथा गंभीरता आ जाती है। भाषा में कई शब्दों के स्थान पर एक शब्द बोल कर हम भाषा को प्रभावशाली एवं आकर्षक बनाते है।

कुछ वाक्यांशों के लिए एक शब्द –

'अ' से शुरु होने वाले एकल शब्द

- जो सबके आगे रहता हो - अग्रणी
- किसी आदरणीय का स्वागत करने के लिए चलकर कुछ आगे पहुँचना - अगवानी
- जिसकी गहराई या थाह का पता न लग सके - अगाध
- जो गाये जाने योग्य न हो - अगेय
- जो छेदा न जा सके - अछेद्य
- जिसका कोई शत्रु पैदा ही न हुआ हो - अजातशत्रु
- जिसे जीता न जा सके – अजेय
- जिसके खंड या टुकड़े न किये गये हों - अखंडित
- जो खाने योग्य न हो - अखाद्य
- जो गिना ना जा सके - अगणित/अनगिनत
- जिसके अंदर या पास न पहुँचा जा सके - अगम्य
- जिसके पास कुछ भी न हो - अकिंचन
- जिसमें कुछ करने की क्षमता न हो - अक्षम

- जिसका खंडन न किया जा सके - अखंडनीय
- जिसका ज्ञान इन्द्रियों द्वारा न हो - अगोचर
- दूर तक फैलने वाला अत्यधिक नाशक आग - अग्निकांड
- जिसका जन्म पहले हुआ हो - अग्रज
- जो किसी देन या पारिश्रमिक मदे पहले से ही सोचे - अग्रिम
- जो अंडे से जन्म लेता है - अंडज
- किसी कथा के अन्तर्गत आने वाली कोई दूसरी कथा - अंतःकथा
- राजभवन के अंदर महिलाओं का निवास स्थान - अंतःपुर
- मन में आप से उत्पन्न होने वाली प्रेरणा - अंतःप्रेरणा
- अंक में सोने वाला - अंकशायी
- अंक में स्थान पाया हुआ – अंकस्थ

'आ' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- अग्नि से संबधित या आग का - आग्नेय
- पूरे जीवन में - आजीवन
- जिस पर किसी का आतंक छाया हो – आतंकित
- जो बहुत क्रूर स्वभाव वाला हो - आततायी
- जो मृत्यु के समीप हो - आसन्नमृत्यु/मरणासन्न
- बालक से लेकर वृद्ध तक - आबालवृद्ध
- जिसकी भुजाएँ घुटनों तक लम्बी हो - आजानुबाहु
- जो जन्म लेते ही मर जाए - आदण्डपात
- जिसे विश्वास या दिलासा दिलाया गया हो - आश्वस्त
- आशा से बहुत अधिक - आशातीत
- वह कवि जो तत्काल कविता कर डालता है - आशुकवि
- जो अपनी हत्या कर लेता है - आत्मघाती
- अपने आप को किसी के हाथ सौंपना या समर्पित करना - आत्मसमर्पण
- दूसरों के (सुख के) लिए अपने सुखों का त्याग – आत्मोत्सर्ग

'इ' व 'ई' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- किन्हीं घटनाओं का कालक्रम से किया गया वृत - इतिवृत्त
- किसी देश या समाज के सार्वजनिक क्षेत्र की घटनाओं, तथ्यों आदि का क्रमबद्ध विवरण- इतिहास
- इतिहास का जानकार - इतिहासज्ञ
- जो दूसरों की उन्नति देखकर जलता हो - ईर्ष्यालु
- उत्तर-पूर्व के बीच की दिशा - ईशान
- इस लोक से संबंधित - इहलौकिक/ऐहिक
- प्रायः वर्षा ऋतु में आकाश में दिखायी देने वाले सात रंगों वाले धनुष - इंद्रधनुष
- इंद्रियों को वश में रखने वाला – इंद्रियजित, जितेन्द्रिय
- इमारत के लिए या इमारत से संबंधित - इमारती
- अपनी इच्छा के अनुसार सब काम करने वाला - इच्छाचारी
- किसी चीज या बात की इच्छा रखने वाला – इच्छुक

'उ' व 'ऊ' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- जिसका मन उदार हो - उदारमना
- जिसका हृदय उदार हो - उदारहृदय
- ऊपर आने वाला श्वास - उच्छ्वास
- ऊपर की ओर उछाला या फेंका हुआ - उत्क्षिप्त
- जिसका उल्लेख करना आवश्यक हो - उल्लेखनीय
- जिससे उपमा दी जाए - उपमान
- वह वस्तु जिसका उत्पादन हुआ हो - उत्पाद

- सौ वर्ष की अवधि या समय - शताब्दी
- शत्रुओं को मार डालने वाला - शत्रुघ्न
- वह जो शक्ति या देवी की उपासना करता है - शाक्त
- जिसे शास्त्रों की अच्छी जानकारी हो - शास्त्रज्ञ/शास्त्रज्ञाता
- आदरपूर्वक सिर पर धारण करने या स्वीकार करने योग्य – शिरोधार्य

'स' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- जिसने अभी हाल ही में बच्चे को जन्म दिया हो - सद्यप्रसूता
- वह स्त्री जिसका पति जीवित हो - सधवा/सुहागिन
- सौर जगत् का सबसे बड़ा ग्रह, जिसकी अन्य ग्रह परिक्रमा करते हैं - सूर्य
- जिसने अस्थायी रूप से किसी का स्थान ग्रहण किया हो - स्थानापन्न
- जो एक जगह से दूसरी जगह न ले जाया जा सके - स्थावर
- किसी काम में दूसरे से आगे बढ़ जाने की इच्छा - स्पर्द्धा
- जो एक स्थान से हटाकर दूसरे स्थान पर भेज दिया गया हो - स्थानान्तरित
- जिसमें स्नान किया जा सके - स्नानीय
- जो स्वेच्छा से किसी सेवा कार्य में लगता हो – स्वयं सेवक
- दो धाराओं या नदियों के मिलन का स्थान - संगम
- वह स्थान जहाँ स्थायी महत्त्व की वस्तुओं का संग्रह हो - संग्रहालय
- संचय किया हुआ - संचित
- जो दो या अधिक भिन्न तत्वों या जातियों के संसर्ग से उत्पन्न हो - संकर
- किसी रोगी द्वारा दूसरों के लगे रोग द्वारा फैलने वाला - संक्रामक
- वह जो साँप पकड़कर पालता और तमाशे दिखाता है - सँपेरा
- कुछ खास शर्तों द्वारा कोई कार्य करने कराने का समझौता - संविदा
- अलग-अलग अवयवों को एक में जोड़ना - संश्लेषण
- जिसके संबंध में संदेह हो – संदिग्ध

'ह' से शुरू होने वाले एकल शब्द

- हाथी की पीठ पर रखी जाने वाली चौकी - हौदा
- हाथ से कार्य करने का कौशल - हस्तलाघव
- यज्ञ के लिए निर्धारित अग्नि - होमाग्नि
- मन को क्षुब्द या चंचल करने वाला – हृदय प्रमाथी
- सेना का वह भाग जो सबसे आगे रहता है - हरावल
- किसी व्यक्ति द्वारा हलफ़ के साथ लिखा हुआ न्यायालय में प्रस्तुत पत्र - हलफनामा
- दूसरों को जान से मार डालने वाला - हत्यारा
- वह जिसके पास संपत्ति या अधिकार सौंपा गया हो - हस्तांतरित
- जिसे देखकर लोग मजाक उड़ाएँ - हास्यास्पद
- भला या हित चाहने वाला - हितैषी
- जो हाथ से लिखा गया हो - हस्तलिखित
- जो बात हृदय को आकृष्ट करे – हृदयावर्जक
- हवन से संबंधित सामग्री - हवि
- जिसे देख सुनकर हृदय फटता हो – हृदय विदारक

अध्याय – 8

शब्द शुद्धि

भाषा में शुद्ध उच्चारण के साथ शुद्ध वर्तनी का भी महत्त्व होता है। अशुद्ध वर्तनी से भाषा का सौन्दर्य तो नष्ट होता ही है, कहीं कहीं तो अर्थ का अनर्थ हो जाता है। वर्तनी अशुद्धि के कई कारण हो सकते हैं यथा-

1. **स्वरागम के कारण** :- निम्न शब्दों में किसी वर्ण के साथ अनावश्यक स्वर प्रयुक्त हो जाने से वर्तनी अशुद्ध हो जाती है अतः उसे हटा कर वर्तनी शुद्ध की जा सकती है।

अशुद्ध वर्तनी	=	शुद्धवर्तनी
अत्याधिक	=	अत्यधिक
आधीन	=	अधीन
अभ्यार्थी	=	अभ्यर्थी
अनाधिकार	=	अनधिकार
अहिल्या	=	अहल्या
दुरावस्था	=	दुरवस्था
शमशान	=	श्मशान
गत्यावरोध	=	गत्यवरोध
प्रदर्शिनी	=	प्रदर्शनी
द्वारिका	=	द्वारका
वापिस	=	वापस
घुटना	=	घुटना
व्यौपारी	=	व्यापारी
भागीरथ	=	भगीरथ

2. **स्वरलोप के कारण** : उचित स्वर के अभाव के कारण

आखरी	=	आखिरी
आप्लवित	=	आप्लावित
कुटम्ब	=	कुटुम्ब
दुगनी	=	दुगुनी
जलूस	=	जुलूस
बदाम	=	बादाम
मैथली	=	मैथिली
विपन्नवस्था	=	विपन्नावस्था
अगामी	=	आगामी
सतरंगनी	=	सतरंगिनी
गोरव	=	गौरव
युधिष्ठर	=	युधिष्ठिर
महात्म्य	=	माहात्म्य
अन्त्यक्षरी	=	अन्त्याक्षरी
आजीवका	=	आजीविका
फिटकरी	=	फिटकिरी
कुमुदनी	=	कुमुदिनी
विरहणी	=	विरहिणी
स्वस्थ्य	=	स्वास्थ्य
वाहनी	=	वाहिनी
वयवृद्ध	=	वयोवृद्ध
पारितोषक	=	पारितोषिक
मुकट	=	मुकुट
भगीरथी	=	भागीरथी
अजानु	=	आजानु
अष्टवक्र	=	अष्टावक्र
उन्नतशील	=	उन्नतिशील
जमाता	=	जामाता
अतिश्योक्ति	=	अतिशयोक्ति
नृत्यंगना	=	नृत्यांगना
मुकन्द	=	मुकुन्द
लोकिक	=	लौकिक

अध्याय – 15

पत्र – लेखन एवं प्रारूप लेखन

दूर स्थित अपने परिचित लोंगो से सम्बन्ध स्थापित करने के लिए अथवा विचार - विमर्श करने के लिए पत्राचार एक महत्वपूर्ण साधन हैं । दूर रहने वाले अपने परिचितों, सगे - सम्बन्धियों, व्यापारियों, समाचार - पत्र के सम्पादकों, सरकारी - गैर सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों से सम्पर्क स्थापित करने अथवा सूचना प्राप्त करने के लिए पत्राचार का विशेष महत्त्व हैं । पत्र विविध प्रकार के होते हैं और उनके लिखने का स्वरुप भी अनेक प्रकार का होता हैं । अतः सभी प्रकार के पत्रों को लिखने का सम्यक् तरीका जानना आवश्यक होता हैं । इन सबका परिचय और नमूना नीचे दिया जायेगा ।

मोटे रुप में पत्रों के दो भेद होते हैं -

(क) सामान्य पत्र

(ख) कार्यलयीय पत्र

(क) सामान्य पत्र

इस प्रकार के पत्रों के अन्तर्गत अपने सगे - सम्बन्धियों को लिखे गये पत्र, विवाह में उपस्थित होने के लिए आमंत्रण, किसी शुभ कार्य में उपस्थित होने के लिए पत्र, बधाई संदेश आदि आते हैं ।

(1) पारिवारिक या घरेलू पत्र

(2) सामाजिक पत्र ।

(1) पारिवारिक या घरेलू पत्र -

ऐसे पत्रों के माध्यम से हम दूर स्थित अपने सगे - सम्बन्धियों, परिवार के सदस्यों से निकट का सम्बन्ध स्थापित करते हैं । पारिवारिक पत्र लिखते समय निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना चाहिए:-

(1)पत्र लिखते समय शुरु में कागज के ऊपरी सिरे के दाहिनी ओर प्रेषक पूरा पता और पत्र भेजने का दिनांक लिखना चाहिए ।

(2)जहाँ पर दिनांक दिया गया हैं उसकी सीध में बाएँ हाथ की ओर हाशिया (कागज का चौथाई भाग) छोड़ने के बाद सम्बोधन शब्द लिखना चाहिए और उसके बाद अल्पविराम का चिन्ह लगाना चाहिए।

(3)अल्पविराम (कॉमा) के ठीक नीचे अभिवादन शब्द (नमस्कार, प्रणाम आदि) लिखकर पूर्ण विराम लगाना चाहिए । उसके बाद उसके नीचे से पत्र का वर्ण्य - विषय लिखना शुरु करना चाहिए ।

विविध सम्बन्धों के अनुसार यथा योग्य सम्बोधन - शब्द, अभिवादन - शब्द एवं समापन शब्द लिखना चाहिए । इससे सम्बन्धित एक तालिका नीचे दी जा रही हैं -

सम्बन्ध- शब्द	सम्बोधन - शब्द	अभिवादन - शब्द	समापन
माता - पुत्र	प्रिय राजेन्द्र,	सुखी रहो, प्रसन्न रहो	तुम्हारी शुभाकांक्षिणी
पिता-पुत्र	प्रिय मोहन,	स्नेहाशीष या प्रसन्न रहो	तुम्हारा शुभाकांक्षी या शुभाशीष
माँ-पुत्री	प्रिय प्रभा,	सुखी रहो या प्रसन्न रहो	तुम्हारी शुभाकांक्षिणी
पिता - पुत्री	प्रिय विभा,	सुखी रहो	शुभाकांक्षी
पुत्र - पिता	पूज्य पिता जी,	सादर प्रणाम	आपका स्नेहाकांक्षी
पुत्री - पिता	पूज्य पिता जी,	सादर प्रणाम	आपकी स्नेहाकांक्षिणी
पुत्र - माता	पूज्यनीय माता जी	सादर प्रणाम	आपका स्नेहाकांक्षी
पुत्री - माता	पूज्यनीय माता जी	सादर प्रणाम	आपकी स्नेहाकांक्षिणी
बड़ा - भाई	प्रिय प्रदीप,	स्नेहाशीष	तुम्हारा शुभाकांक्षी
छोटा भाई- बड़ा भाई	पूज्य भाई साहब	सादर प्रणाम	आपका स्नेहाकांक्षी
छोटी बहन- बड़ी बहन	पूजनीय दीदी,	सादर प्रणाम	आपकी स्नेहाकांक्षिणी

नाम पत्र में या तो सबसे ऊपर रहता हैं या अंत में सामाजिक पत्राचार की अनेक विधियाँ हैं जिनके नमूने नीचे दिए जा रहे हैं -

नमूना ।

मान्यवर,

परम पिता परमेश्वर की असीम कृपा से मेरे कनिष्ठ चि. रामचन्द्र का शुभ विवाह पटना निवासी श्री बालानन्द शर्मा की कनिष्ठ पुत्री सौंभाग्यकांक्षिणी सुनीता के साथ सम्पन्न होना निश्चित हुआ हैं।

आपसे साग्रह अनुरोध हैं कि शनिवार 17 दिसम्बर, 1977 ई. को सांय 5 बजे मेरे निवास स्थान (15, गुरुधाम कॉलोनी, वाराणसी) पर पधारें एवं वर - वधू को आर्शीवाद देकर हमें अनुगृहीत करें ।

विनीत,
शिवप्रसाद

नमूना- ।

श्री/श्रीमती.....................

प्रमपिता परमात्मा की महती कृपा से मेरी पुत्री स्वस्तिमती अर्चना का शुभ पाणिग्रहण संस्कार शुभ मिति माघ शुक्ल पंचमी, 'रविवार, सं. 2034 तदनुसार 12 फरवरी, 1978 ई. को पटना विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आदरणीय डाँ. मनोरंजन झा के ज्येष्ठ पुत्र चिरंजीवी श्री रजनी रंजन झा, लेक्चरर, मनोविज्ञान विभाग, राजेन्द्र कॉलेज, छपरा (बिहार) के साथ सम्पन्न होना निश्चित हुआ । सभी मांगलिक कृत्य मेरे निवास - स्थान (आचार्य पुरी, लालकोठी, गया, बिहार) पर सम्पन्न होंगे । आपसे नम्र निवेदन हैं कि उक्त शुभ अवसर पर उपस्थित होकर हमें गौरव प्रदान करें ।

विनीत,
जयशंकर झा

कार्ड का नमूना – 2

श्री एवं श्रीमती राजपति सहाय

अपने पुत्र के जन्म दिन के शुभ अवसर पर 5 नवम्बर, 1977 ई. को अपराहन 5 बजे अपने निवास - स्थान: सहाय भवन, कमच्छा, वाराणसी पर आपको सादर आमंत्रित करते हैं ।

विनीत,
राजपति सहाय

किसी संस्था के समारोह में संभ्रान्त जनों को निम्नांकित ढंग से आमंत्रण - पत्र प्रेषित किया जाता हैं:-

नमूना - ।

उदर प्रताप महाविद्यालय, वाराणसी
दीक्षांत - समारोह
प्रो. डॉ. रामलोचन सिंह
द्वारा
दीक्षांत - भाषण
रविवार, दिनांक 10 अप्रेल, 1977 ई., 4 बजे
अपराहन, महाविद्यालय - प्रांगण ।
दीक्षांत - समारोह का सभापतित्व
डॉ. डी. शर्मा
कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय, करेंगे । कृपया इस समारोह में सम्मिलित होकर हमें अनुगृहीत करें ।

राजनाथ सिंह

टिप्पणी - कृपया यह पत्र अपने साथ लाएँ तथा 3.45 अपराहन तक स्थान ग्रहण कर लें । बच्चों को साथ न लाएँ ।

नमूना – 3

साहित्य परिषद्
हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
वाराणसी - 5
तुलसी - जयन्ती समारोह

महोदय,

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी साहित्य - परिषद् के तत्वावधान में दिनांक 23 – 7 - 77 को हिन्दी - भवन में । बजे अपराहन 'तुलसी - जयन्ती समारोह' का आयोजन सुसम्पन्न होगा । हिन्दी के

लब्धप्रतिष्ठ विद्वान् आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी समारोह की अध्यक्षता करेंगे ।
उक्त समारोह में आपकी अपस्थिति साग्रह प्रार्थित हैं ।

विनीत,
विजयपाल सिंह
हिन्दी विभागाध्यक्ष,
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

बधाई पत्र

25, रवीन्द्रपुरी,
वाराणसी
दिनांक 7-10-1977 ई.

प्रिय बन्धु शर्मा जी,
नमस्कार !
मुझे यह जानकर हार्दिक हर्ष हुआ कि तुमने भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) की 1976 की परीक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किया हैं । इस सफलता पर मेरी हार्दिक बधाई । आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास भी हैं कि आगे भी तुम अपनी विलक्षण प्रतिभा एवं कर्त्तव्यनिष्ठ से जीवन में निरन्त्र उन्नति करोगे ।
आशा है स्वस्थ एवं सानन्द हो !

तुम्हारा अभिन्न
अनुराग

शोक - पत्र

42, अशोक रोड़,
नयी दिल्ली,
दिनांक 15-03-77

प्रिय गोविन्दजी,
आपकी ज्येष्ठ पुत्रवधू के असामयिक निधन की सूचना पाकर मुझे अत्यन्त शोक हुआ । इसे तो वज्रपात होना ही कहेंगे । मृत्यु अपने वश की नहीं है। अतः ऐसे दुः खद समय में धैर्य धारण करना चाहिए । मै परमात्मा से प्रार्थना करता हूँ कि वह द्विन्गत आत्मा को शांति प्रदान करे और शोक संतप्त परिवार को शोक सहन करने की अपूर्व शक्ति दे ।

भवदीय
सुधा पाण्डेय

शोक समाचार की सूचना

ओम् हरिस्मरणम्

554,
ममफोर्ड गंज,
इलाहाबाद
7-1-77

श्री द्विवेदी जी,
अत्यंत दु:ख के साथ लिख रहा हूँ कि दिनांक 3-1-77 को 3 बजे रात हृदय - गति रूक जाने के कारण मेरी श्रीमती जी का निधन हो गया ।

- रामचन्द्र शर्मा

कार्यालयी पत्र

भवदीय,
प्रदीप श्रीवास्तव

(6) सरकारी पत्र या शासकीय पत्र

सरकारी या गैरसरकारी कार्यालयों के प्रशासन से सम्बन्धित पत्र शासकीय पत्र कहलाते हैं । लेकिन अब शासकीय या सरकारी पत्र केवल सरकारी कार्यालयों से संबंधित पत्राचार के अर्थ में रूढ़ हो गये हैं । व्यक्तिगत कार्यालयों का प्रशासन-सम्बन्धी पत्र भी सरकारी पत्र की तरह ही लिखा जाता हैं । प्रत्येक कार्यालय से जो पत्र दूसरे कार्यालय को भेजे जाते है। उन्हें एक रजिस्टर में अंकित किया जाता हैं । साथ ही दूसरे कार्यालय से आने वाले पत्र भी एक दूसरे रजिस्टर में अंकित किये जाते हैं । कार्यालय में हर एक विषय से संबद्ध फाइलें होती हैं जिन पर उनका संकेतांक अंकित रहता हैं । पत्रों पर पत्रांक के साथ संकेतांक एवं संबद्ध वर्ष का उल्लेख किया जाता हैं । इसके बाद दिनांक लिखा जाता हैं । ये शासकीय पत्र एक निश्चित पद्धति के अनुसार लिखे जाते हैं जिसमें सरलता, शुद्धता, स्पष्टता, संक्षिप्तता, शिष्टता आदि का ध्यान रखा जाता हैं। इन पत्रों में व्यक्तिगत सम्बन्धों की चर्चा नहीं की जाती हैं ।

वस्तुतः शासकीय पत्र लिखते समय क्रमशः निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए -

(1) कागज के शीर्ष पर पर पत्रांक और दिनांक देना चाहिए । कभी-कभी प्रेषिती के पता के बाद भी पत्रांक और दिनांक लिखा जाता हैं ।

(2) पत्र के बाएँ हाथ प्रेषक का पद और कार्यालय पता अंकित करना चाहिए ।

(3) इसके नीचे प्रेषिती का पद और पता लिखा जाता हैं ।

(4) इसके बाद पत्र का विषय अत्यन्त संक्षेप में लिख दिया जाता हैं ।

(5) सम्बोधन के लिए 'महोदय' लिखने के बाद उसके नीचे से पत्र का मुख्य प्रतिपाध लिखा जाता हैं ।

(6) अन्त में समापनसूचक शब्द 'भवदीय' लिखकर प्रेषक हस्ताक्षर करता हैं ।

(7) पृष्ठांकन - प्रतिलिपि निम्नांकित को -

(1)................ का सूचनार्थ

(2).............. को आवश्यक कार्रवाई हेतु ।

प्रेषक के हस्ताक्षर........................

पद ....

सरकारी पत्र का नमूना

पत्रांक 433 (1)/ 13, (ख) / 74-75 दिनांक 3 - 1 - 75

प्रेषक,

सचिव, शिक्षा विभाग
उत्तर प्रदेश सरकार,
लखनऊ ।

सेवा में,

शिक्षा निदेशक (उच्च शिक्षा),
उ. प्रदेश, इलाहाबाद ।

विषय - अनुमोदित अध्यापकों के स्थायीकरण के विषय में ।

महोदय,

मुझे यह आपसे कहने का निर्देश मिला हैं कि राज्य लोक-सेवा-आयोग द्वारा अनुमोदित होने के बाद विभिन्न राजकीय कॉलेजों में अस्थायी रूप से अध्यापन करते हुए जिन प्राध्यापकों को तीन वर्ष से अधिक हो गये हों, उनके स्थायीकरण के सम्बन्ध में अविलम्ब कार्रवाई करें । जिन लेक्चररों अथवा प्राध्यापकों की गोपनीय आख्या प्रतिकूल हैं, उनके स्थायीकरण की कार्रवाई अभी स्थगित रखी जाए ।

भवदीय

अ ब स

शिक्षा सचिव

पृष्ठांकन सं. 433 (1) 13 (ख) / 74-75 दिनांक 3-1-75

प्रतिलिपि राजकीय कॉलेजों के सभी प्राचार्यों को इस आशय से प्रेषित कि वे अपने अधीनस्थ कार्यरत एवं लोकसेवा आयोग द्वारा अनुमोदित अध्यापकों की

अध्याय – 17

निबंध लेखन

निबंध के 4 अंग होते हैं

1. **शीर्षक** : निबंध में हमेशा शीर्षक आकर्षक होना जरूरी है। शीर्षक पढ़ने से लोगों में उत्सुकता ज्यादा होती है।
2. **प्रस्तावना**: निबंध में सबसे श्रेष्ठ प्रस्तावना होती है, भूमिका नाम से भी इसे जाना जाता है । निबंध की शुरुआत में हमें किसी भी प्रकार की स्तुति , श्लोक या उदाहरण से करते हैं तो उसका अलग ही प्रभाव पड़ता है।
3. **विषय विस्तार** – निबंध में विषय विस्तार का सर्व प्रमुख अंश होता है, इसके अंदर तीन से चार अनुच्छेदों को अलग-अलग पहलुओं पर विचार प्रकट किया जा सकता है। निबंध लेखन में इसका संतुलन होना बहुत ही आवश्यक है। विषय विस्तार में निबंधकार अपने दृष्टिकोण को प्रकट करते हुए बता सकता है ।
4. **उप संहार** – उप संहार को निबंध में सबसे अंत में लिखा जाता है। पूरे निबंध में लिखी गई बातों को
5. हम एक छोटे से अनुच्छेद में बता सकते हैं। इसके अंदर हम संदेश , उपदेश , विचारों या कविता की पंक्ति के माध्यम से भी निबंध को समाप्त कर सकते हैं ।

निबंध के प्रकार

निबंध तीन प्रकार के होते हैं विषय के अनुसार

1. **वर्णनात्मक** – सजीव या निर्जीव पदार्थ के बारे में जब हम निबंध लेखन करते हैं तब उसे वर्णनात्मक निबंध कहते हैं। यह निबंध लेखन स्थान , परिस्थिति , व्यक्ति आदि के आधार पर निबंध लिखा लिखा जाता है ।

- **प्राणी**

1. श्रेणी
2. प्राप्ति स्थान
3. आकार प्रकार
4. स्वभाव
5. विचित्रता
6. उपसंहार

- **मनुष्य**

1. परिचय
2. प्राचीन इतिहास
3. वंश परंपरा
4. भाषा और धर्म
5. सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन

- **स्थान**

1. अवस्थिति
2. नामकरण
3. इतिहास
4. जलवायु
5. शिल्प
6. व्यापार
7. जाति धर्म
8. दर्शनीय स्थान
9. उप संहार

2.विवरणात्मक – ऐतिहासिक , पौराणिक या फिर आकस्मिक घटनाओं पर जब हम निबंध लेखन लिखते हैं उसे विवरणात्मक निबंध कहते हैं । यह निबंध लेखन यात्रा , मैच , ऋतु आदि पर लिख सकते हैं।

- **ऐतिहासिक**

1. **घटना का समय और स्थान**
2. **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि**
3. **कारण और फलाफल**
4. **इष्ट अनिष्ट और मंतव्य**

- **आकस्मिक घटना**

1. **परिचय**
2. **तारीख, स्थान और कारण**
3. **विवरण और अंत**
4. **फलाफल**
5. **व्यक्ति और समाज**
6. **कैसा प्रभाव हुआ**
7. **विचारात्मक**

3. विचारात्मक निबंध: गुण , दोष , या धर्म आदि पर निबंध लेखन लिखा जाता है उसे विचारात्मक निबंध कहता है। या निबंध में किसी भी प्रकार की

यथापि हर सिक्के के दो पहलु होते हैं। राष्ट्रवाद का भी उजला पात्र है। कहा जाता है "राष्ट्रवाद ने ही सामृज्यवाद, उपनिवेशवाद को जन्म दिया और और राष्ट्रवाद ने ही इसका अंत किया।" देशभक्ति की भावना ने संपूर्ण गुलाम देशों में चिंगारी भर दी, जिसमें जन - जन सिपाही बन गया और भारत अफ्रीका दक्षिण पूर्वी देश स्वतंत्र हो गए। यही राष्ट्रवाद की भावना है जो सैनिकों को कठिन -से कठिन परिस्थिति में भी देश की सुरक्षा करने को प्रेरित करती है। राष्ट्रवाद के कारण ही देश के विकास को बल मिलता है।

अर्थात कहा जा सकता है राष्ट्रवाद बुरा नही है परन्तु अंधराष्ट्रवाद घातक है राष्ट्रवाद और मानवता में कोई तुलनीय सम्बन्ध नही है। सर्वोपरि है।

टैगोर जी की टिप्पणी आज दशकों बाद भी विश्व स्तर पर विद्यामान जटिल समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करती है आज सम्पूर्ण विश्व को मानवता के मूल्य को समझते हुए शरणार्थी समस्या का समाधान करना चाहिए जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर समस्या का निराकरण करना चाहिए मानवता का कोई विकल्प नहीं है इसको राष्ट्र की सीमाओं में बांधकर नही रखा जा सकता ।

भारत की प्राचीन सम्पन्न मोस्वमपी संस्कृति भी कुटुम्बकम की सीख देती है.

अर्थात सम्पूर्ण पृथ्वी हमारी माता है हमें सदैव इसके कल्याण हेतु तत्पर रहना चाहिए

पक्ष -

विपक्ष पर विश्लेषण कर स्पष्टतः कहा जा सकता है राष्ट्रवाद एक सीमा तक होना उचित है,परन्तु जब राष्ट्रवाद किसी के प्राणों पर हावी हो जाए, मानव कल्याण पर हावी हो जाए तो यह राष्ट्रवाद नहीं अंधराष्ट्रवाद होता है और अंधराष्ट्रवाद मज सामने वाले को ही नहीं अपितु स्वयं को भी नुकसान पहुंचता है।

आज वैश्विकरण के युग में यह बहुत ही आवश्यक है कि हम राष्ट्रवाद व मानवता के अंतर को समझे, सम्पूर्ण विश्व इस परिप्रेक्ष्य में भारतवर्ष को आदर्शप्रतिमान के रूप में ले सकता है भारत ने मात्र प्रांतीय काल में hi वसुधैवकुटुम्बकम का नारा नहीं दिया अपितु वर्तमान समय में भी अपने संस्कारों का भली - भांति अनुकरण कर रहा है।

आजादी बाद शरणार्थी समस्या समाधान अफ्रीका जैसे गुलाम देशों की स्वतंत्रता की परोपकारी, गुटनिरपेक्षता,आंदोलन,पंचशील समझौता, कांगो,स्वेज नहर मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र की मदद, फिलिस्तीन का समर्थन, आतंकवाद का विरोध, नेपाल में भूकंप सहायता, ऑपरेशन राहत, अफ्रीका को सस्ती दर पर जेनेरिक दवाओं की आपूर्ति आदि के माध्यम से भारत ने सदैव मानवतावाद को प्रदर्शित किया है,

यह पूरे विश्व के लिए यह प्रत्यक्ष उदाहरण है सम्पूर्ण वैश्विक समुदाय को इस आदर्श का पालन करना चाहिए,जिससे सम्पूर्ण विश्व में शान्ति, समृद्धि, खुशहाली,सम्पन्नता, समावेशिता को वास्तविक धरातल पर चरितार्थ किया जा सकेगा।

S. 2022 तक किसानों की आय दुगुना करना एक सपना या हकीकत

कल मैंने टी.वी. खोली न्यूज़ चैनल पर चर्चा, परिचर्चा का केंद्र बिंदु था - 'किसान मध्य प्रदेश में कई किसानों ने आत्महत्या कर ली थी। महाराष्ट्र में विधान माफी हेतु आंदोलन पर थे, उत्तर प्रदेश सरकार को कृषक माफी के सम्बन्ध में घेरा जा रहा था ...... यहां तक कि संसद में भी वाद विवाद का बिंदु या किसान दुर्दशा"।

यह देखकर मेरे मन में विचार आया आखिर सम्पूर्ण देश का पेट भरने वाला कृषक आज बेचारा क्यों कहलाता है वह स्वयं अपना पेट भरने में क्यों असमर्थ है? क्या सरकार इनके लिए कुछ करती नही ......तभी मेरे मित्र ने व्यंग्य किया..... सरकार 2022 तक इन किसानों की आप दोगुनी कर देगी।

उसका व्यंग्य सुनकर मुझे भी लगा की वह एक सपना मात्र है या फिर वास्तव में इसे

हकीकत में बदला जा सकता है। उपरोक्त प्रश्न का उत्तर देने हेतु क्रमवार विश्लेषण की आवश्यकता है, वस्तुतः सबसे पहले यह जानना जरुरी है कि कृषक भाइयों की समस्या क्या क्या है-

इसे हम स्पष्टता हेतु 3 भागों में बांट सकते हैं।

1. खेती शुरू करने से पूर्व समस्या
2. खेती के दौरान समस्या
3. खेती के उपरान्त अर्थात फसल कटाई के बाद समस्या

1.खेती के पूर्व समस्याओं को देखें, तो सबसे बड़ी पिन्ताका कारण है छोटी जोतों का आकार। हमारे देश में 80% किसान 1.5 हेक्टेपर से भी कम भूमि पर खेती करते हैं। इसके कारण बीज, सिचाई उर्वरक के रूप में इनपुट ज्यादा होता है , पर आउपुट कम। खेती करने हेतु एक मुश्त राशि की आवश्यकता होती है, जिससे बीज,उर्वरक सिंचाई आदि पूर्ति हो, अपर्याप्त ज्ञान अशिक्षा व पर्याप्त कागजात न होने के कारण वे बेक से समान्यता ऋण नहीं ले पाते और सूदखोरो की ऊची व्याज दर के शिकार बन जाते हैं।

जमींदारी कास्तकारी सुहारों की असफलता के कारण किसान अपने मालिकों के शोषण का भी शिकार होते हैं। इसके साथ ही मानसून से आधारित कृषि अनियमित मानसून से खेती प्रभावित होती है। लगातार कीटनाशकों के प्रयोग से मृदा स्वास्थ्य खराब हो जाता है, जिससे खपतवार कम- उत्पादकता जैसी समस्याएं आती हैं।

खेती के उपरान्त यदि उत्पादन बहुत ज्यादा है तो फसल के मूल्य बहुत ही कम हो जाते हैं जिससे किसान को खेती करने मंडी ले जाने तक का खर्च नही निकल पाता।और यदि उत्पादन की दर ज्यादा, मांग ज्यादा होती है तो लाभ बिचोलिए ले जाते हैं।, पर्याप्त गोदाम व प्रसंस्करण सुविधा न होने के कारण सीमित दिनों में ही फसल बेचनी होती जिससे किसान की मोलभोल एकता (बाइगेनिंग कैपिसिटी) गिर जाती है।

उपयुक्त समस्याओं को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार की योजना का केंद्र बिंदु हमेशा ' किसान समस्या समाधान ' रहता है।

आजादी के बाद से ही जमींदार व्यवस्था उन्मूलन, काश्तकारी सुधार, चकबंदी, हदबंदी भू - दान आंदोलन सहकारी खेती,कार्यक्रम, ऋण माफी उर्वरक - वितरण आदि के माध्यम से समाधान करने को प्रयासरत है। वर्तमान सरकार द्वारा अतीसक्रिपता 2022 तक किसानों की आप दो गुना करने का लक्ष्य रखा गया है।

सरकार द्वारा समय - समय पर न्यूनतम समर्थन मूल्य जारी किया जाता है, जिससे एक न्यूनतम कीमत प्राप्त हो सकें। सिंचाई हेतु मुफ्त बिजली प्रदान की जा रही है, नीम कोल्ड़े इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे यूरिया की कालाबाजरी कम हो सकें व जर्मदा के उर्वरता प्रभावित न हो।

अतिमहत्वकांक्षी प्रयास के रूप में सरकार द्वारा एग्रीकल्चर प्रदुसूज मार्केटिंग कमीशन अधिनियम में सुधार कर नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट (राष्ट्रीय कृषि बाजार) स्थापित करने कि पहल कि गई है। जिसके तरह देश कि लगभग 586 मंडियों को डिजिटलाइजेसन के माध्यम से आपस में जोड़ा जाएगा और किसान अपने क्षेत्र से ही पूरे भारत में कहीं पर सर्वोच्च कीमत पर अपनी फसल भेज सकता है। उसे बिचौलिया का शिकार भी नहीं होना पड़ेगा।

इसके साथ ही प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री कृषि बीमा योजना सस्ती दर पर ऋण मुहैया करना, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, जैसी योजना शुरू कि गई है जिससे कृषक अपनी मृदा स्वास्थ्य को जानकर उसी अनुसार उर्वरक का इस्तेमाल करें फसल का चुनाव करें। पर्याप्त मात्रा में सिंचाई कर सकें और आपदा जैसे स्थिति में विमा सुरक्षा ही प्रदान होगी। भारत सरकार द्वारा हेल्पलाइन जारी किया गया ; जिसमें किसान पोन कर वोन कर मौसम कि जानकारी खेती सम्बन्धित किसान किसी भी प्रकार कि जानकारी प्राप्त कर सकता है। सूचना प्रद्योगिकी व मोबाइल तकनीकी कि मदद से हर समय -

General English

Chapter – 1

Article and Determiners

Article :-

Articles ' **adjective'** के जैसे होते हैं क्योंकि ये सामान्य(general)या विशेष(specific) रूप से noun की विशेषता बताते हैं ।
'A', 'An' एवं 'The', 'Articles' कहलाते हैं ।
Articles दो प्रकार के होते हैं । :-

(1). Indefinite articles या general articles (A, An)

"A" ओर "An" indefinite articles होते हैं ये noun के बारे में सामान्य जानकारी देते हैं और जो भी जानकारी दे रहे होते हैं उसकी पहली बार बात की जा रही होती है उसके बारे में पहले से कोई जानकारी नहीं होती है ,ये countable nouns के एकवचन रूप (singular form) के साथ प्रयोग किये जाते हैं ।

Ex1 - यह कुर्सी है । = This is a chair.

Ex2 - मुझे पेन की जरूरत है । = I need **a** pen.

Ex3 – एक गाँव था। = There was a village.
Ex4 -सीता ने गाना गाया ।= Sita sang a song.

- इस वाक्य में एक सामान्य जानकारी दी जा रही है और यहाँ pen,village,song के बारे में पहली बार जानकारी (first information) दी जा रही है ,इसलिए यहाँ article "a " का प्रयोग किया गया है ।
- इन हिंदी वाक्यों में 'एक' नहीं होते हुए भी, इनका अंग्रेजी अनुवाद करते समय हमने 'A / An ' का प्रयोग किया है ।
- वाक्यों में Singular Countable Noun से पूर्व,(यदि वह अनिश्चित हैं) Article 'A / An' का प्रयोग अवश्य किया जाता हैं । इन वाक्यों का यह अनुवाद गलत हैं :-

(a). This is chair. (incorrect)
(b). Sita Sang song. (Incorrect)

OTHER EXAMPLE OF INDEFINITE ARTICLES('A','An'):-

1. My daughter really wants **a** dog for Christmas.
2. When I was at the zoo,I saw **an** elephant!
   यहाँ EX-1 कोई भी सामान्य से dog की बात की जा रही है और EX-2 में एक सामान्य Elephant की बात की गयी है इसलिए dog और Elephant के पहले article 'a' का प्रयोग किया गया है ।

(2). Definite articles या specific articles(The) :-

"The" definite article होता है। ये noun के विशेष रूप (specific form) को दर्शाता हैं जैसे कोई एक विशेष(unique) वस्तु, ऐसी वस्तु जिसके बारे में वक्ता(speaker) को पहले से जानकारी हो या जिसके बारे में वाक्य में पहले बताया गया हो

Ex-1 –She brought **a** saree.= उसने एक साड़ी खरीदी

यहाँ इस वाक्य में उसने कोई भी एक सामान्य साड़ी खरीदी इसलिए इस वाक्य में saree के पहले indefinite article "a" का प्रयोग किया गया है ।

The saree is very costly.=साड़ी बहुत महंगी है ।
इस वाक्य में कोई सामान्य साड़ी की बात नहीं हो रही है यहाँ एक ऐसी साड़ी की बात की गयी है जिसकी जानकारी वक्ता (speaker) को पहले से है इसलिए यहाँ साड़ी से पहले The का प्रयोग किया गया है ।

ex-2 –**The** sun sets in the west.=सूरज पश्चिम में छिपता है ।
यहाँ sun एक विशेष (unique) वस्तु है। और west एक विशेष (unique) दिशा (direction) है इसलिए इनसे पहले the का प्रयोग किया गया है ।

Other example of definite article (The)

ex-1 –**The** man who wrote this book is famous.
यहाँ एक विशेष man की बात हुई है जिसने book लिखी है । इसलिए यहाँ man से पहले the का प्रयोग किया गया है ।

ex-2-I live in **the** small house with blue door
यहाँ house के बारे में वक्ता (speaker) को पहले से जानकारी है इसलिए house से पहले the का प्रयोग किया गया है ।

ARTICLE का प्रयोग कहां होता है?

She is __________ excellent.

- कई लोग ' excellent ' देख तुरंत 'an' का प्रयोग कर देते हैं परंतु इस वाक्य में कोई article का प्रयोग नहीं होगा क्योंकि 'excellent ' के बाद कोई noun नहीं है | अगर किसी वाक्य में article है तो noun भी अवश्य होना चाहिये अगर ऐसा नही है तो वो वाक्य पूरी तरह से गलत होगा।

जैसे :- she is an excellent student. (✓)
Sakshi is an extremely beautiful. (×)
(adverb) (adjective)
यहाँ " extremely" adverb है और" beutiful"adjective है इस वाक्य में noun नहीं है इसलिए ये वाक्य पूरी तरह से गलत है ।
Article का प्रयोग noun के पहले होता है ।
जैसे :- she is a student.
Noun

- अगर noun की विशेषता बताने वाला adjective वाक्य में मौजूद हो तो article का प्रयोग adjective के पहले होगा |

जैसे :- she is an excellent student.
Adj. Noun

- अगर adjective की विशेषता बताने वाला adverb भी मौजूद हो तो article का प्रयोग adverb के पहले होगा |

जैसे :- she is a very excellent student.
Adv. Adj. Noun

- अगर adjective की विशेषता बताने वाला adverb भी मौजूद हो तो article का प्रयोग adverb के पहले होगा |

जैसे :- she is a very excellent student.
Adv. Adj. Noun

Indefinite articles (A, An) का प्रयोग कहां किया जाता है?

1.A / An का प्रयोग अनिश्चित (Indefinite) singular countable Noun से पूर्व किया जाता है | (निश्चित होने पर Noun के पूर्व 'The' का प्रयोग किया जाता है)
इसलिए A / An को Indefinite articles कहा जाता है ; जैसे :-
(a). I have a car.
(b). He sang a song
(c). This is an orange.
(d). Ram is a student.

नोट :- 'Noise' uncountable Noun है |
फिर भी इसके साथ Article 'a' का प्रयोग होता है |
जैसे :- do not make a noise.

NOTE:- अंग्रेजी भाषा में A,E,I,O,U स्वर और सामान्यत (generally) इनसे पहले हम An का प्रयोग करते है । लेकिन हम हिन्दी में आने वाले स्वर अ,आ,इ,ई,उ,ऊ,ए,ऐ...को प्राथमिकता (priority) देते है ,अगर अंग्रेजी भाषा के किसी शब्द का उच्चारण (pronounciation) अ,आ,इ,ई,उ,ऊ,ए,ऐ... से शुरु हो रहा हो तो हम an का प्रयोग करते है। जैसे-

An Umbrella - अंब्रेला
A Union - यूनियन
A One rupee note - वन रुपी नोट
A Europe - यूरोप
An honest man - ऑनेस्ट मैन

ABBREVIATION में भी उच्चारण के अनुसार चलें

जैसे :-

(a). He is **an** MLA /MP (एम.एल.ए. / एम.पी)
(b). He lodged **an** FIR. (एफ.आई.आर.)
(C). He is **an** IAS officer. (आई.ए. एस.)
(d). He is **an** SDO. (एस.डी. ओ)
(e). I have **an** X-ray machine.(एक्स-रे)
(f). She in **an** LLB. (एल. एल.बी.)
(g). I have been waiting for **an** hour. (आवर)
(h). He is **an** heir to the throne. (एयर)
(i). Ram is **an** honest person. (ऑनेस्ट)

कुछ अन्य उदाहरण

1. **An** honour.
2. **An** honorable person.
3. **An** heir.
4. **A** house.
5. **An** honorarium.
6. **A** historical monument.
7. **An** eagle.
10. **A** European.
11. **A** Universit
12. **A** unique planet
13. **A** one-rupee note
14. **An** F.O

Passive with (adjective)

Sub + verb + adjective
Sub + is/are/am + was/were + adj. + when + it /they + is/am/are /was/Were +verb(3)
Ex.:- The rose smells sweet.
The rose is sweet when it is smelt.
Ex.:- The shirt felt soft.
The shirts were soft when they were felt.
Ex.:- The sofa looks nice.
The sofa is nice when it is looked.

Passive with (like,want, wish, desires)

(A) इन वाक्यों में Sub के बाद wish, like, desires, wants में से किसी एक का प्रयोग होगा फिर एक obj. दिया गया होगा | फिर दूसरी verb दी गई होगी और फिर एक obj. दिया गया होगा |

(B)passive बनाते समय sub और verb (like, want, wish, desires) को ज्यों का त्यों लिख देंगे|

(c) यदि दूसरी Verb के बाद वाला obj. वाक्य के Sub. के लिए प्रयोग हुआ तों उसे वाक्य से हटा देंगे अन्यथा उन्हें verb (like, wants, wish, desires) के बाद लिख देंगे |

(D) फिर To be का प्रयोग करेंगे और verb को 3rd form में बदलते हुए to be के बाद लिख देंगे|

(E) फिर दूसरी verb से पहले दिए गए obj. को by के साथ वाक्य के अंत में लिख देंगे यदि लिखना जरूरी है तों |

Ex.:- Ram wants people call him Don
Ram wants to be called Don.

Ex.:- Ram desires his wife respect his parents.
Ram desires his parents to be respected by his wife.

Ex.:- Riya likes his friend send her Jaipur.
Riya likes to be sent Jaipur by his friends.

Chapter – 6

Narration - Direct & Indirect

Direct Speech:-

जब कोई व्यक्ति किसी वक्ता के कहे हुए कथन को बिना किसी परिवर्तन के अभिव्यक्त कर दें तो वह Direct Speech कहलाता है।

जैसे: Ram says , "I work hard."

Indirect Speech:-

जब कोई व्यक्ति किसी वक्ता के कथन को अपने शब्दों में कुछ जरूरी परिवर्तन कर प्रस्तुत करें तो वह Indirect Speech

जैसे: Ram says that he works hard.

ASSERTIVE SENTENCES (कथनात्मक वाक्य):-

He says, "I work hard." (Direct Speech)

He says that he works hard. (Indirect speech)

Assertive sentences को direct से Indirect Speech में परिवर्तन करने के नियम:-

Comma एवं inverted commas को हटाएँ और Conjunction 'that' का प्रयोग करें।

Pronoun नीचे दिए गए नियमानुसार परिवर्तित करें।

1. First Person को Reporting Verb के Subject के अनुसार बदलते हैं।

2. Second Person को Reporting Verb के Object के अनुसार बदलते हैं।

3. Third Person के Reporting Verb में कोई भी बदलाव नहीं किय जाता है।

person	nominative	objective	possessive
I	I we	me us	my,mine our,ours
2	you	you	yours
3	he she it they	him her it them	his her,hers its their,theirs

CHANGE THE TENSE:-

यदि Direct speech को Indirect speech में बदलते समय Reporting verb में Present tense या Future tense हो तो Reported speech के Tense में कोई भी बदलाव नहीं होता है, केवल जरुरत के हिसाब से Pronoun को Change किया जाता है। लेकिन यदि Reporting verb, Past tense में हो तो Reported speech के Tense को निम्नलिखित प्रकार से Change किया जाता है

1. V_I - V_{II}
2. do not / does not - did not
3. is / am / are - was / were
4. has / have - Had
5. has been / have been - Had been
6. $V_{II.}$ - Had + V_3
7. did not + V_I - Had not + V_3
8. was / were - Had been
9. Had - No change
10. Had been - No change
11. will / shall - Would
12. Can - Could
13. may - might
14. this - that

Direct speech को Indirect speech में बदलते समय Reporting verb यदि Past tense में हो तो Reported speech में उपयोग होने वाला निकटता सूचक शब्द और दूरी सूचक शब्द और समय को दर्शाने वाले शब्द निम्नलिखित प्रकार से Change किया जाता है।

DIRECT	INDIRECT
This	That
These	Those
Here	There
Hence	Thence
Now	Then
Thus	So
Today	That Day
Yesterday	The previous day / The day before
The day before yesterday	Two days before
Tomorrow	The next day / The following day
Tonight	That night
This day	That day
The day after tomorrow	In two days, Time
Last week	The previous week / The week before
Last month	The previous month / The month before
Last year	The previous yaer / The year before
Last night	The previous night / The night before
Last day	The previous day / The day before
Next week	The following week

Next month	The following month
Next year	The following yaer
Next night	The following night
Next day	The following day
A year ago	A year before

(A)Direct से Indirect बनाते समय I व II person को III Person मे बदलेगे.
(B) यदि प्रश्न में III person का कोई pronoun आये तो उसे नहीं बदलेंगे उसे ज्यों का त्यों लिख देंगे.
Ex:-
direct:- Anil said to Riya, " I call my and your friends".
Indirect: - Anil told Riya that He called his and her friends.

(i) Said to - change in - told
(ii) Inverted commas - इसे हटाकर - that

Direct:- Sita said to Ram, " I saw my and your brothers near our house yesterday".
Indirect : - Sita told Ram that she had seen her and his brothers near their house the previous day.
Ex. Anil said to Sita , " I did not see my and your brother near our house yesterday".

Ind. - Anil told Sita that he had not seen his and her brother near their house last day.

II person.	you	you	your
	He	him	his
	She	her	her

जब 'you' helping verb से पहले आये और जब 'you' main verb के पहले आये अथवा you, H.V व M.V दोनों से पहले आए तो उसे you No-I मानेंगे और पुरुष के लिए He तथा स्त्री के लिए She मे बदलेंगे।
Ex. you are there you are calling me

H.V M.V
you call me
M.V
Ex Sita said to Ram, " you and I can help our friends here today".
Ind. - Sita told Ram that he and She could help their friends there that day.
Rule-2 जब helping verb के बाद आये या m.v के बाद आए तो उसे you-2 मानेंगे और पुरुष के लिए him व स्त्री के लिए her मे बदलेंगे
Ex. It is you I am calling you
H.V H.V
M.V
I Saw you
H.V
Ex. Ram said to Sita, "my and your parents were calling you and me at our school".
Ind. - Ram told Sita that his and her parents had been calling her and him at their school.
- Pronoun वाले start
He said to her, "I saw you".
Ind. - He told her that he had seen her
You said to me, "I call you".
Ind. - you told me that you called me
You said to me, "you and I can help my brother and your Brother".
Ind. - you told me that I and you could help your and my
Indirect speech मे यदि I and we से कोई एक (sub) बने हो तो will/shall हमेशा should मे बदलेंगे
Ex :- You said to me, " you will go".
Ind. - You told me that I should go
यदि reporting verb में I अथवा me मे से किसी शब्द का प्रयोग हो तो reporting speech मे we, us, our - (No Change) नहीं बदलेंगे
Ex- You said to me, " we call our friends".
Ind. - You told me that we called our friends

Chapter - 7

Synonyms / Antonyms

100 Most Repeated Synonyms

S. No.	Word	Meaning	Synonyms
1.	Genuine	Truly what something is said to be (वास्तविक)	Real, True, Actual, Honest, Sincere, Veritable, Authentic, Original
2.	Laconic	Brief (संक्षेप्त)	Crisp, Brusque, Pithy, Terse, Compendious, Concise, Succinct
3.	Diligent	Having or showing care and conscientiousness in one's work or duties (मेहनती)	Industrious, Careful, Assiduous, Tireless, Attentive, Indefatigable
4.	Insolent	Showing a rude and arrogant lack of respect (बदतमीज)	Impudent, Rude, Impertinent, Disrespectful, Brazen, Bold
5.	Sordid	Involving immoral or dishonourable actions and motives / Arousing moral distaste and contempt (घिनौना)	Unpleasant, Low, Mean, Dirty Foul, Squalid, Base, filthy
6.	Transient	Lasting only for a short time / Impermanent (अस्थायी)	Transitory, Temporary, Ephemeral, Passing, Brief, Momentary
7.	Abandon	Cease to support or look after (someone) / desert (छोड़ देना)	Forsake, Leave, Quit, Desert, Relinquish, Renounce, Surrender
8.	Accede	Agree to a demand , request, or treaty (मान लेना)	Consent, Join, Agree, Adhere, Assent, Accept
9.	Adversity	A difficult or unpleasant situation (विपत्ति)	Misery, Misfortune, Hardship, Distress, Affliction, Disaster
10.	Affluent	Having a great deal of money / wealthy (धनी)	Prosperous, Wealthy, Rich, Moneyed, Opulent, Loaded
11.	Candid	Truthful and straightforward (निष्कपट)	Frank, Honest, Open, Direct, Outspoken, Sincere
12.	Cantankerous	Bad tempered ,argumentative and uncooperative (झगड़ालू)	Quarrelsome, Bellicose, Crabby, Cranky, Crotchery, Testy

13.	Coarse	Rough or Harsh in texture (खुर्दरा)	Rough, Rude, Crude, Gross, Vulgar, Unrefined, Uncouth
14.	Condemn	Express complete disapproval of / Censure (निंदा करना)	Criticize, Castigate, Censure , Chide, Punish, Sentence
15.	Convict	Person found guilty (दोषी ठहराना)	Culprit, Captive, Felon, Prisoner, Repeater
16.	Defer	Put off (an action or event) to a later time (टालना)	Postpone, Delay, Put off, Suspend, Shelve, Adjourn
17.	Deliberate	Done consciously and intentionally (जानबूझ के किया हुआ)	Intentional , Ponder, Consider, Premeditated, Reflect
18.	Eminent	Famous and respected within a particular spare (of a person) (प्रख्यात)	Renowned, Famous, Prominent, Distinguished, Superior, Illustrious, Celebrated, Notable
19.	Enigmatic	Puzzling (रहस्यपूर्ण)	Puzzling, Mysterious, Cryptic, Obscure, Perplexing, Baffling

20.	Eternal	Lasting or existing forever / Without end (सार्वकालिक)	Ageless, abiding, Continual, Enduring, Everlasting, Indestructible, Timeless
21.	Feign	Pretend to be affected by (a feeling, state, or injury) (बहाना करना)	Pretend, Fake, Simulate, Dissemble, Sham, Counterfeit
22.	Hoodwink	Deceive or trick (छलना)	Deceive, Trick, Fool, Cheat, Mislead, Bamboozle
23.	Hurdle	A problem or difficulty that must be overcome (बाधा)	Barrier, Hindrance, Obstruction, Impediment, Vault
24.	Impeccable	In accordance with the highest standards (त्रुटिहीन / अवगुणरहीत)	Faultless, Perfect, Flawless, Spotless, Immaculate, Blameless
25.	Intrepid	Fearless / Adventurous (निडर)	Gallant, Courageous, Fearless, Heroic, Plucky Spunky
26.	Jubilant	Feeling or expressing great happiness and triumph (प्रफुल्लित)	Rejoicing, Joyful, Happy, Elated, Exultant, Pleased, Glad

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

(ii) simple
(iii) easy
(iv) strange
Answer:
(ii) simple

Question (f)
The verb form of the word 'alternative' is
(i) alternate
(ii) alter
(iii) late
(iv) elate
Answer:
(i) alternate

6.2 Answer the following.
(a) In future, ... may enable human beings to enjoy more leisure than they do today.
(b) Sir Leon Bagrit said that in future, ... would be developed which would be small enough to be carried in one's pocket.
(c) Computers are capable of doing extremely complicated work in all branches of learning. [True/False]
(d) Computers are the most inefficient servant that man has ever had. [True/False]
Answer:
(a) automation
(b) computers
(c) True
(d) False

6.3 Find the synonyms of the following words from the passage.
(a) results (para 2)
(b) monotonous (para 5)
Answer:
(a) consequences
(b) dull

Chapter – 12

Translation

हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद करते समय निम्नलिखित नियमों को ध्यान में रखना चाहिए:-

- अनुवाद करते समय सबसे पहले वाक्य के विभिन्न भाग (part of speech) जैसे- Subject, Verb, Object, Adverb, Preposition आदि की पहचान होनी चाहिए।
- वाक्य किस tense का है, उस tense के सभी वाक्यों का Structure हमे ध्यान में रखना है।
- इसके लिए tense का ज्ञान आवश्यक है। सभी tense के बारे में आगे अंग्रेजी भाषा के भाग में समझाया गया है ।
- सभी प्रकार के वाक्य जैसे- Simple, Compound, Complex आदि का ज्ञान होना आवश्यक है।
- **Subject (कर्ता) की पहचान** :- किसी भी वाक्य में कार्य/कर्म को करनें वाला ही कर्ता होता है।
- वाक्य की क्रिया के साथ कौन, किसने या किन्होने आदि प्रश्न करने पर जो उत्तर आता है, वही उस वाक्य का कर्ता होता है।
  जैसे- प्रेम हिंदी पढता है।
  इस वाक्य की क्रिया पढना के साथ अगर हम प्रश्न करते है, कौन पढ़ता है? तो इसका उत्तर हमे प्राप्त होगा- प्रेम । इस प्रकार हम पता लगा सकते है कि किसी भी वाक्य का कर्ता कौन है।
  यहाँ कुछ उदहारण दिए गये है, जिनकी क्रिया के साथ आप प्रश्न करके पता लगा सकते है की इन वाक्यों में कर्ता कौन है?
  - अध्यापक नें प्रश्न पूछा ।
  - विवेक क्रिकेट खेलता है।
  - मोहन साइकल चला रहा है।

  इस प्रकार आपको पता चला होगा क इन वाक्यों के कर्ता क्रमशः अध्यापक, विवेक और मोहन है।
- **क्रिया की पहचान**:- क्रिया (verb) किसी भी वाक्य का एक महत्वपूर्ण भाग होता है। सामान्यतः हिंदी वाक्य के अंतिम शब्द जैसे- है, हूँ, था, आदि से पहले जो शब्द होता है, वही शब्द वाक्य की मुख्य क्रिया होता है।

जैसे- मानव क्रिकेट खेलता है।
इस वाक्य में अंतिम शब्द से पहले खेलता शब्द है, तो यही क्रिया है।
दुसरे तरीके से हम यदि क्रिया को जानेंगे तो किसी भी वाक्य में जो कार्य (Action) हो रहा है वही क्रिया है।
जैसे- रविन्द्र और विश्वजीत पुस्तक पढ़ते है।
इस वाक्य में पढनें की क्रिया हो रही है तो यही इस वाक्य की मुख्य क्रिया है।
कर्म की पहचान :- हिंदी वाक्यों में verb से कहाँ, किसको, किनको जैसे प्रश्न करनें पर जो उत्तर प्राप्त होता है, वह वाक्य का कर्म (Object) होता है।
जैसे- गुंजन विद्यालय जाता है ।
जब क्रिया के साथ हम प्रश्न करेंगे- गुंजन कहाँ जाता है? तो उत्तर प्राप्त होता है- विद्यालय । इस प्रकार विद्यालय इस वाक्य का कर्म (object) है।

- यदि हिंदी वाक्यों में हमेशा, कभी नही, प्रायः जैसे शब्द आयें तो इनका अनुवाद क्रिया से पहले लिखा जायेगा ।
- अनुवाद को सरल रूप में सीखनें के लिए आपको छोटे वाक्यों से अनुवाद करनें की प्रैक्टिस करनी चाहिए।
- Tense के बारें में हम विस्तार से पढ़ चुके है, साथ ही Parts of speech के बारें में भी हम जान चुके हैं, उन से सम्बंधित कुछ वाक्यों के अनुवाद यहाँ दिए जा रहे है-

I. सामान्य अनुवाद

Present indefinite

1. सूरज पूरब में उगता है एवं पश्चिम में छिपता है।
2. 2. पृथ्वी चन्द्रमा के चारों ओर नहीं घूमती है।
3. 3. रमेश पतंग उड़ाता है।
4. 4. क्या आप मेरा नाम जानते हैं।
5. 5. सीता प्रतिदिन एक पाठ याद करती है।
6. 6. वह कपड़े नहीं धोती है।

1. The sun rises in the east and sets in the west.
2. The earth does not revolve round the moon.
3. Ramesh flies kites.
4. Do you know my name?
5. Sita learns a lesson daily.
6. She does note wash clothes.

Present continuous:-

1. सीता गाय का दूध निकाल रही है।
2. क्या वह बाजार नहीं जा रही है।
3. वह तुम्हें गाली दे रहा है।
4. मैं देख रहा हूँ।
5. राम मेरा इन्तजार नहीं कर रहा है।
6. वह आजकल एक किताब लिख रहा है।
7. मैं सुन रहा हूँ।
8. वह कॉलेज में पढ़ा रहा है।

1. Sita is milking the cow.
2. Is she not going to market?
3. He is abusing.
4. I see.
5. Ram is not waiting for me.
6. He is writing a book now -a -days.
7. I am hearing.
8. He is teaching in the college

Present perfect:-

1. उसने अपना पाठ याद नहीं किया है।
2. क्या वह दिल्ली जा चुका है?
3. मैंने अपना पाठ याद कर लिया है।
4. वह अमेरिका में रह चुका है।
5. क्या सीता कपड़े नहीं धो चुकी है?
6. ट्रेन अभी -अभी आयी है।

1. He has not learnt his lesson.
2. Has he gone to Delhi?
3. I have learnt my lesson.
4. He has been to America.
5. Has Sita not washed clothes?
6. The train has just arrived.

- मैं बहुत तेज़ दौड़ा फिर भी ट्रेन नहीं पकड़ सका।
- I ran very fast but still could not catch the train.
- दरिद्र होने पर भी वह ईमानदार है ।
- He is honest even when he is poor.
- पीयूष में असफल हो गया क्योंकि वह ठीक से पढाई नहीं की ।
- Piyush failed because he did not study properly.
- परीक्षा में नकल मत करो, तुम वंचित किया जा सकता है।
- Do not cheat in exams, you could be debarred.
- सूरज पूरब मे उगता है लेकिन पश्चिम में डूबता है।
- Sun rises in the east but sets in the west.
- राहुल तैरने और फुटबॉल खेलने मे अच्छा है।
- Rahul is good in swimming and playing football.

Complex sentence (मिश्र वाक्य):-

Complex sentence में Main Clause को Subordinate clause से जोड़ने के लिए 'who', 'which', 'when', 'that', 'where', 'as', 'since', 'although', 'though' इन शब्दों का इस्तेमाल होता है।
Tell me the news as you have heard.
Clause 'tell me the news' Main Clause है, और 'as you have heard' Subordinate/Dependent Clause है। इस sentence में Main Clause का subject 'you' understood है ।

- हमारा मैच रद्द कर दिया गया क्योंकि हम इसे लेकर बहुत उत्साहित थे।
  Our match was cancelled when we were so excited about it.
- मुझे अपना फुटबॉल मिला जो अलमारी में रखा हुआ था।
  I found my football which was kept on the cupboard.
- गुंजन के माता-पिता उससे प्यार करते हैं क्योंकि वह उनकी बात मानती है।
  Gunjan's parents love her as she obeys them.
- मेरा भाई उपन्यास पढ़ना पसंद करता है जो उसे मेरी मौसी से मिला है।
  My brother likes to read novel that he got from my aunty.
- रवीना ने एक किताब उधार लिया जो कपड़ों से भरा हुआ था।
  Raveena borrowed a book which was filled with clothes.
- यद्यपि मेरे शिक्षक ने मुझे दंडित किया, मैं रोया नहीं।
  Although my teacher punished me, I didn't cry.
- क्योंकि मेरे चाचा ने मुझे डांटा था, मैं उनसे दूर भाग गया।
  Because my uncle scolded me, I ran away from him.
- कल जो तुम्हारे घर पर आया था, वह मेरा भाई है।
  The one who came to your house yesterday is my brother.
- तुम जिस कुर्सी पर बैठने वाली हो, वह कुर्सी टूटी हुई है।
  The chair you are about to sit on is broken.
- मैंने उस आदमी के हाथ में फुल थमाया था, जिसके हाथ में चोट लगी थी।
  I had handed over a flower to the man whose hand was hurt.
- मैंने कल बाजार में उस लड़की को देखा, जिसने लाल रंग के बेड को लटकाया हुआ था।
  I saw that girl in the market yesterday, who was hanging a red colored bed.
- गांधीजी ने कहा कि सदा सत्य बोलो, हिंसा मत करो।
  Gandhiji said that always speak the truth, do not do violence.
- जिसकी लाठी उसकी भैंस।
  Might is right.
- यदि तुम भी मेहनत करोगे तो निश्चित ही सफल हो जाओगे।
  If you also work hard, you will surely become

successful.

- जो विद्यार्थी मेहनत करता है, वह सफल होता है।
  The student who works hard becomes successful.
- जैसी करनी वैसी भरनी।
  As you sow, so you shall reap.
- गुंजन नें कहा कि जिस दुकान में गया था, उसमें सामान नहीं मिला।
  Gunjan said that the goods were not found in the shop he went to.
- तुम जिससे प्यार करते हो, उसका नाम मैं जानता हूं।
  I know the name of the one you love.
- तुम जिस कार में बैठे हो, वह कार मेरे पिताजी का है।
  The car in which you are sitting belongs to my father.
- तुम जितना ज्यादा मुसीबत से भागोगे, उतना ही मुसीबत तुम्हारा पीछा करेगा।
  The more you run from trouble, the more trouble will follow you.
- वह तुम्हें देखकर दंग रह गई जब तुम अचानक से पार्टी में आ पहुंचे।
  She was stunned to see you when you suddenly showed up at the party.
- जिधर तुम्हारे घर का रास्ता है, उधर मेरे घर का भी रास्ता है।
  Where there is a way to your house, there is also a way to my house.

Paragraph (अनुच्छेद का हिंदी अनुवाद)

1. Ganeshan loved cricket. After attending the English subject class when he rushed to the playground, due to the distance of playground he was always late. His old friends persuaded him to miss his class for next two days so that he could practice for an important match. His coach was also agree to help him by speaking to his class teacher, for this. But the coach taken to task for his absence of two days without prior school permission.

   गनेशन क्रिकेट का शौकीन था । अंग्रेजी कक्षा के बाद जब वह खेल के मैदान के लिए दौड़ता था । खेल का मैदान दूर होने की वजह उसे हमेशा देर हो जाती थी । उसके पुराने मित्रों ने उसे राजी कर लिया कि वह अगले दो दिन अपनी कक्षा में ना जाये ताकि वह महत्वपूर्ण मैच का अभ्यास कर ले । उसके प्रशिक्षक भी उसकी सहायता को सहमत हो गये कि वह कक्षा अध्यापक को बोल देंगे । लेकिन प्रशिक्षक ने उसे धोखा दिया और गनेशन को बिना पूर्व अनुमति के दो दिन अनुपस्थित रहने के लिए दण्ड दिया गया ।

2. The villagers were simple, superstitions people. They had great sympathy with the Ronak singh who wan in terrible pain. They prayed to God to make the life happy of Ronak Singh and all the villagers. The viallage priest also went on reciting mantras and performing some puja for relieving pain of Ronak Singh. The Vaid of village gave some medicines and assured that Ronak Singh will recover shortly. Next day morning Ronak Singh felt his pain has gone away. He thanked all the villagers for their support and care.

   गाँववासी सरल दिल, अन्धविश्वासी लोग थे । उन्हें भयानक पीडा से तड़प रहे रोनक सिंह के प्रति अपार सहानुभुति थी । उन्होने परमात्मा से रोनक सिंह और सारे गाँव वालो के जीवन को खुशहाल करने की विनती की । गाँव का पुजारी भी रोनक सिंह के दर्द से मुक्ति के लिए मंत्रोच्चारण और पूजा करता रहा । गाँव के वैद ने रोनक सिंह को कुछ दवाईयां दी और विश्वास दिलाया की वह जल्द ही ठीक हो जायेगा । अगली सुबह रोनक सिंह ने महसूस किया कि उसकी पीड़ा खत्म हो गई थी । उसने सभी गाँव वालो के द्वारा उसकी देखभाल करने और उनके सहयोग का शुक्रिया किया ।

हिंदी (अभ्यास प्रश्न)

RAS मुख्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्न (2021):-

1.निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिये।

(अ)देवी+अवतरण
(ब) क्षीर+ओदन
(स) नि+स्नात
(द) दिक्+गज

2. निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिये-

(अ) विक्रमाब्द

(ब) ऋषिकेश

(स) प्रमाण

(द) कोणार्क

3. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिये।

(अ) तत्+मय

(ब) मातृ+आज्ञा

(स) प्रति+छाया

(द) शरत्+ज्योत्सना

4. निम्न उपसर्गों के योग से दो-दो शब्द बनाइए

(1) औं (2) अधि

5. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग प्रथक्क कीजिये

(1) अभिज्ञ

(2) पर्याय

(3) प्रतीक्षा

(4) अत्यल्प

6. निम्नलिखित प्रत्ययो का संयोग करते हुए दो-दो शब्द बनाइए।

(1) इल (2) हार

7. निम्नलिखित शब्दों में मूल शब्द और प्रत्यय प्रथक्क कीजिये।

(1) श्रद्धालु (2) कनौती

8. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(1) पक्षी (2) स्वर्ण

9. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(A) सखी (B) उन्नति

10. . निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए?

(A) दंड

(b) ऋत

(c) समास

(d)ग्राह्य

11. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

(A) विधि सम्मत

(B)तिरस्कार

(C)संश्लेषण

(D)अनिर्वचनीय

12. निम्नांकित युग्म शब्दों का अर्थगत अंतर लिखें।

(A) षष्टी -षष्ठी (B) तर्क - तक्र

13. निम्नांकित शब्दों का अर्थगत अंतर लिखिए।

(A) क्षति -क्षिति (B) आभरण – आमरण

14. दिए गए वाक्यांशों के लिए एक सार्थक शब्द लिखें।

(A)जो व्यक्ति बहुत बोलता हो।

(B) विरोध में होने पर भी विरोध दिखाई पड़ना।

15. दिए गए वाक्यांशों के लिए एक एक सार्थक शब्द लिखें।

(A) धरती का वह भाग जिस पर कुछ भी उत्पन्न नहीं होता।

(B) अपने प्रति किए गए उपकार को न मानने वाला।

16. दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए।

(A)प्रज्जवलित

English Questions

Questions appeared in RAS Mains Examination :-

1. Identify the error and rewrite the correct form of the following sentence-
   a) Italy is an European country.
   b) Ramesh Gupta is a MBBS.
   c) The island was uninhabited expect of sheep.
   d) Divide the money between you all.
   e) Did Sohan scratched your card?
   f) 120 miles are too far to travel.
   g) May it snow this for south?
   h) Let her told to wait here.
   i) I asked her as to whether she would have a cup of tea.
   j) What you would like to drink?

2. Choose the word similar in meaning
   1. Insolent
   2. Rude/ polite
   3. endorse discrete/approve

3. Choose the word opposite in meaning
   A. Discreet prudent/obtrusive
   B. Deft export/amateur

4. Rewrite choosing the appropriate expression to form a meaningful sentence.
   a) The army got discouraged and give in / gave upon before the opponents.
   b) I am going to have a catnap dog nap while you are cooking lunch.

5. Selecting the correct phrase/ word rewrite the sentence.
   a) He was sitting besides/ beside me when I was eating the cake.
   b) He was confident / confidant that he would clear his exam.

6. Write a one word substitute for the following expression.
   a) A diplomatic representative or a country to another country.
   b) Showing independence in thoughts or actions.

Questions appeared in RAS Mains Examination (2018):-

1. Identify the error and rewrite the correct form of the following sentence.
   A. What is endangered of becoming extinct?
   B. He was pained to realise that he had a little leisure left.
   C. His news channel aspires to have a million viewers until the weekend.
   D. He is taking tea very morning.
   E. My aunt walked in the garden when I met her.
   F. Let me show you how to do it, can I?
   G. What they steal.
   H. Did this picture painted by Rafa Ravi Verma.

2. Choose the word similar in the meaning.
   A. Perceive understand/ amiable.
   B. Impeccable perfect / mature.

3. Rewrite choosing the appropriate expression to form a meaningful sentence.
   A. She looked so courteous and kind that I was completely taken over /taken in.
   B. We are still at odds and the ends / at daggers drawn with the education minister over the changes in the syllabus.
   C. Selecting the correct word /phrase rewrite the following sentence.

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें -

RAS PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=1253s

Rajasthan CET (Graduation)-2023 - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk8S6W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD – 2021 - https://youtu.be/ZgzzfJyt6vI

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 प्रश्न आये
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)
Rajasthan CET Gradu. Level	07 Janu.2023(1st shift)	96 (150 में से)

& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें

Whatsapp – https://wa.link/uwc5lp

Online order – https://bit.ly/3X6MGue

Call करें 9887809083